धार की बाइक चोर गैंग का पर्दाफाश

- 14 लाख की 10 महंगी बाइकें बरामद
- बुलेट और स्पोर्ट्स बाइक को बनाते थे निशाना
- खरीददार को भी पुलिस ने किया गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में लगातार हो रही बुलेट और महंगी मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए भंवरकुआं पुलिस ने एक अंतरजिला वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है. धार के बाग टांडा क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले इस शातिर गिरोह के कब्जे से 10 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपए बताई गई है.

शहर में वाहन चोरी पर नियंत्रण के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देश पर जोन-4 डीसीपी डॉ. ऋषिकेश मीणा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दिशेष अग्रवाल और एसीपी विजय चौधरी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई थी. टीम को खुफिया सूचना पर मिली सफलता के बाद गिरोह के एक मुख्य सदस्य को गिरफ्तार किया, जबकि अन्य तीन सदस्य फरार हैं. गिरोह विशेष रूप से बुलेट, पल्सर, अपाचे और स्प्लेंडर जैसी महंगी मोटरसाइकिलों को ही चोरी का निशाना बनाता था. पकड़े गए आरोपी ने खुलासा किया कि गिरोह इंदौर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के साथ-साथ राजेन्द्र नगर और धार जिले के धामनोद से भी वाहन चोरी की वारदातें अंजाम दे चुका है. बयार राज कर्मा, उम्र 23 वर्ष, मूल निवासी ग्राम राजपुर जिला बड़वानी, वर्तमान में इंदौर के पिपलियाराव स्थित इलाइट हॉस्टल में किराए से रह रहा था. जबकि फरार आरोपियों में लक्ष्मण बघेल, दीपक लोधी,सुनील बघेल सभी निवासी बाग टांडा, जिला धार में रहने वाले है. महंगी बाइक सस्ते दामों पर खरीदने वाले चार खरीददारों को भी पुलिस ने आरोपी बनाया है, जिनमें मुख्य रुप से रोहित वायकर निवासी बड़वानी, यश डाबर निवासी सेधवा, भावेश अहिराव नंदुरबार, महाराष्ट्र. पुलिस आरोपियों से चार बुलेट, तीन स्प्लेंडर, क पल्सर एक अपाचे और क होंडा साइन के साथ 10 दोपहिया वाहन बरामद किए है. जिनमें से कुछ वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर और मालिकों की जानकारी की जा रही है. पूछताछ के दौरान आरोपियों ने इंदौर के अन्य थाना क्षेत्रों से भी दोपहिया वाहन चोरी करने की बात कबूल की है. साथ ही पुलिस को गिरोह के अन्य साथियों और करीब 10 और बाइक चोरी की जानकारी मिली है, जिनकी तलाश जारी है.

ऐसे देते थे वारदात को अंजाम

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ इंदौर में एलाइट हॉस्टल में किराए से कमरा लेकर रहते थे. दिन में चोरी के लिए रैकी करते और रात को सुनसान स्थानों पर वारदात को अंजाम देते. चोरी की गई बाइकें महाराष्ट के नासिक, सेधवा, बड़वानी, पानसेमल जैसे इलाकों में सस्ते दामों पर बेच दी जाती थीं. पुलिस ने सभी बरामद वाहनों को जब्त कर लिया है और मालिकों की पहचान की जा रही है. प्रकरण में आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज़ कर दिए गए हैं.

आखिरकार चालू हुआ मांगलिया रेलवे क्रॉसिंग

- बोले किसान नेता : क्षेत्र की जनता की एकता रंग लाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. लंबे संघर्ष, जनदबाव और मीडिया की मुखरता के बाद आखिरकार प्रशासन को झुकना पड़ा और मांगलिया रेलवे क्रॉसिंग छोटे वाहनों और दोपहिया के लिए खोल दी गई. क्षेत्रीय जनता और किसान नेताओं की यह बड़ी जीत मानी जा रही है. किसान नेता ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि निरंकुश प्रशासन और सत्ता के घमंड को आखिर जनता की एकजुटता के आगे झुकना पड़ा.

किसान नेता हंसराज मंडलोई मंडलोई ने कहा कि वे लंबे समय से इस बात की मांग कर रहे थे कि मांगलिया रेलवे क्रॉसिंग को पूरी तरह बंद न किया जाए, क्योंकि यह न सिर्फ स्थानीय निवासियों, बल्कि उज्जैन और ओंकारेश्व जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए भी अहम रास्ता है. लेकिन प्रशासन ने बाईपास टोल कंपनी को फायदा पहुंचाने की नीयत से यह रास्ता सीधे एक साल के लिए बंद कर दिया. इस निर्णय से इंदौर-देवास बायपास पर भारी जाम लगने लगा, जिसके चलते अर्जुन बड़ौदा और सिंगापुर टाउनशिप रोड तक पूरा ट्रैफिक ठप हो गया. इसका खामियाजा गारी पिपलिया गांव के दो युवाओं की जान जाने के रूप में भुगतना पड़ा, जबकि अन्य तीन परिवारों में मातम छा गया. मंडलोई ने सवाल उठाया कि इन मौतों की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? इस बीच, क्षेत्रीय निवासियों ने पुल निर्माण कार्य में ठेकेदार कंपनी द्वारा घटिया निर्माण कार्य करने का आरोप लगाया है और इसकी जांच की मांग की है. रेलवे गेट खुलने के बाद क्षेत्र के व्यापारिक संगठनों, स्कूलों के छात्र-छात्राओं, फैक्ट्रियों में कार्यरत श्रमिकों और हजारों माताओं-बहनों ने राहत की सांस ली है. किसान नेता हंसराज मंडलोई ने मीडिया का भी विशेष आभार जताया, जिन्होंने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और प्रशासन पर दबाव बनाया. मंडलोई ने कहा कि यह सिर्फ एक क्रॉसिंग की नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों की जीत है. उन्होंने चेतावनी दी कि वे क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए अंतिम दम तक लड़ते रहेंगे और किसी भी सत्ताधारी के दबाव में नहीं आएंगे.

12 साल की मासूम की संदिग्ध हालात में मौत

- लसूड़िया के ओमेक्स सिटी-1 में हुई घटना
- पोस्टमार्टम से खुलेगा मौत का राज

नव भारत न्यूज

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित ओमेक्स सिटी-1 में रहने वाली 12 वर्षीय मासूम की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई. परिजन जब तक कुछ समझ पाते, बच्ची ने अस्पताल में दम तोड़ दिया. संदेहास्पद परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस ने मामला जांच में लिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है.

मृतिका का नाम अंजलि लश्करी था. वह अपनी मां बबीता और दो बड़ी बहनों के साथ रहती थी. अंजलि को अचानक सीने में दर्द और घबराहट की शिकायत हुई. बबीता उसे पास के एक डॉक्टर के पास ले गईं, जहां से डॉक्टर ने एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया. एमवाय पहुंचने के कुछ ही देर बाद अंजलि की मौत हो गई. बबीता के पति का निधन हो चुका है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच की जा रही है. लसूड़िया थाना प्रभारी तारेश कुमार सोनी का कहना है कि फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी. शुरुआती तौर पर कोई चोट या हिंसा के निशान नहीं मिले हैं, फिर भी हर पहलू से जांच की जा रही है.

सड़क पर हो रहे गड्ढे, रहवासी हैं परेशान

मामला वार्ड 54 के इदरीस नगर का

इंदौर. जहां सड़क की इतनी ज़रूरत नहीं होती है वहां नगर निगम बढ़चढ़ कर कार्य करने पर उतारू रहती है. वहीं दूसरी तरफ जहां उबड़-खाबड़ सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे निगन निगम को क्यों दिखाई नहीं देते. यह कैसा विकास कार्य है जिसमें क्षेत्रीय भेदभाव रखा जा रहा है.

शून्य विकास का मामला वार्ड क्रमांक 54 के इदरिस नगर में देखा गया है. यह क्षेत्र वर्ड कप चौराहे के कुछ एक-डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर है. अमन नगर और शांति नगर से जुड़े इदरिस नगर में राहगिरों के लिए सड़क के नाम पर सिर्फ बड़े-बड़े गड्ढे ही है, वाहन चलाना तो दूर यहां पैदल चलना भी बड़ा मुश्किल है और यही मुश्किल अब बरसात में मुसीबत बन जाती है. बताया जाता है कि पिछले वर्ष इसी क्षेत्र में नर्मदा लाईन का कार्य चल रहा था. कर्मियों ने लापरवाही करते हुए गड्ढा खुला छोड़ दिया जिसमें बरसात का पानी भर गया और पांच वर्ष के एक मासूम बच्चे की गड्ढा में डूबने से जान चली गई थी. उस दहलाने वाले हादसे को क्षेत्रवासी आज तक नहीं भूल पाए लेकिन नगर निगम को कोई फर्क नहीं पड़ा. उसकी सुस्ती आज तक नहीं टूटी जिस कारण क्षेत्र में सड़कों का निर्माण अब भी नहीं किया गया.

इनका कहना है ...

क्षेत्र में बच्चे स्कूल आते-जाते गिरते पड़ते हैं. पिछले वर्ष इसी स्थान पर पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो चुकी है. फिर भी कोई सुनने वाला नहीं शिकायत करो तो हर अधिकार एक-दूसरे पर ढोलते है.

- विजय सचांग

कच्ची सड़क के कारण क्षेत्र में गंदगी तो बारह महीने बनी रहती है. बरसात का पानी भरा रहता है. उसमें मच्छर, कीड़े पनपते हैं, जो कई तरह की बीमारियां फैलाते हैं. सड़क बन जाने से क्षेत्रवासियों को कई सुविधाएं होगी.

- सूरज मुवैल

पिछले पाच सालों से गलियों की बुरी गत बनी हुई है. कई बार पार्षद को बुलवाकर दिखाया. निगम में शिकायत करते हैं तो हर साल सड़कों पर मलबा डलवा देते हैं जिससे और कीचड़ होकर मुसीबत बन जाता है.

- अंकुश लोधवाल

जल्द सड़क निर्माण किया जाएगा-इदरिस नगर में पूर्व में डाली गई सीवरेज लाइन घरों से एक फीट ऊपर है और छोटी भी है. हम पहले उसे सही करने का कार्य कर रहे हैं बहुत जल्द ही सड़क का कार्य आरंभ कर दिया जाएगा.

- महेश बसवाल, पार्षद